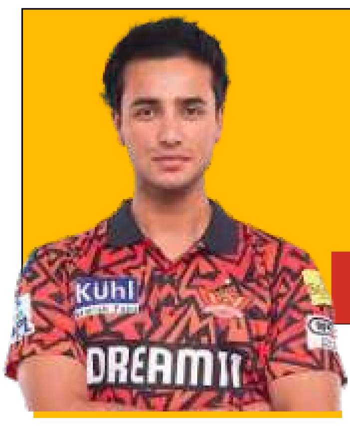

आईपीएल 2026 में अभिषेक शर्मा का तूफान 28 गेंदों में 74 रन

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

मधुबाला बायोपिक: सारा अर्जुन बन सकती हैं लीड रोल की सबसे मजबूत दावेदार

Page-05

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर तनाव बना हुआ है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जिससे हर देश की नजर इस वार्ता पर है।इस बैठक को भविष्य की बड़ी कूटनीतिक डील की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इस्लामाबाद में US–ईरान टेंशन पर बड़ी वार्ता

- **6 अरब डॉलर की जमी संपत्ति रिलीज़ को लेकर दावे ने वार्ता को और संवेदनशील बना दिया है।**
- **अमेरिका ने संकेत दिया है कि समझौते में देरी होने पर दबाव बढ़ाया जा सकता है।**

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल के हेलिकॉप्टर की शनिवार सुबह पुणे के पुरंदर इलाके में गलत लैंडिंग का मामला सामने आया है। हेलिकॉप्टर निर्धारित हेलीपैड की बजाय करीब एक किलोमीटर दूर पार्किंग एरिया में उतार दिया गया, जिसे शुरुआती तौर पर पायलट की गलती माना जा रहा है।पुणे जिला पुलिस के अनुसार, हेलीपैड पूरी तरह तैयार था और इसकी जानकारी हेलिकॉप्टर के क्रू मेंबर को दी गई थी, लेकिन उन्होंने निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब भुजबल महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या नुकसान की खबर नहीं है।घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि पार्किंग एरिया में खड़ी गाड़ियों के सामने ही हेलिकॉप्टर उतारा गया, जिससे धूल का बड़ा गुबार उठ गया और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अभी तक पायलट, क्रू या हेलिकॉप्टर ऑपरेट करने वाली कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।पुलिस ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भेजी जाएगी और पायलट के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। नियमों के मुताबिक, किसी भी विशेष क्षेत्र में लैंडिंग से पहले स्थानीय प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाते हैं, जिनका पालन अनिवार्य होता है।गौरतलब है कि कुछ महीने पहले ही महाराष्ट्र में एक बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। इस ताजा घटना ने एक बार फिर विमानन सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मोदी और राहुल गांधी की बातचीत बनी चर्चा का विषय

संसद भवन परिसर में आज एक अलग और बेहद खास तस्वीर देखने को मिली, जब प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच बातचीत होती नजर आई।करीब 1 मिनट 30 सेकेंड के वीडियो में दोनों नेता आपस में सहज अंदाज में चर्चा करते दिखे। इस दौरान आसपास मौजूद भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी इस बातचीत के गवाह बने, जिससे राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम ने जहां सामाजिक सुधारक को श्रद्धांजलि दी, वहीं राजनीतिक मतभेदों के बीच संवाद की इस तस्वीर ने लोकतंत्र में संवाद की अहमियत को भी उजागर किया।इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही यह औपचारिक अवसर था, लेकिन इस तरह के संवाद सियासी तनाव के बीच सकारात्मक संकेत देते हैं। आने वाले समय में क्या इसका कोई राजनीतिक असर दिखेगा, इस पर भी सबकी नजर बनी हुई है।

रणवीर सिंह की नागपुर यात्रा ने बढ़ाई हलचल

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बढ़ती नजदीकियों को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ताजा घटनाक्रम में अभिनेता रणवीर सिंह का नागपुर पहुंचकर संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिलना महज औपचारिक मुलाकात नहीं माना जा रहा, बल्कि इसके राजनीतिक और सांस्कृतिक संकेत भी तलाशे जा रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर-2 द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर सुर्खियां बटोर रही है। नागपुर में उनका लुक भी बदला हुआ नजर आया, जहां वह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर नागपुर के डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से सीधे संघ मुख्यालय पहुंचे।करीब डेढ़ घंटे तक चली इस बैठक में रणवीर सिंह ने अपनी फिल्म के साथ-साथ संघ के कार्यों और सेवा गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की। इसके बाद उन्होंने रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर जाकर संघ संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार और एमएस गोलवलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पूरे घटनाक्रम ने फिल्म और सियासत के रिश्तों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मंत्री छगन भुजबल का हेलिकॉप्टर पार्किंग में उतरा

पुणे में 'गलत लैंडिंग' से मचा हड़कंप

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल के हेलिकॉप्टर की शनिवार सुबह पुणे के पुरंदर इलाके में गलत लैंडिंग का मामला सामने आया है। हेलिकॉप्टर निर्धारित हेलीपैड की बजाय करीब एक किलोमीटर दूर पार्किंग एरिया में उतार दिया गया, जिसे शुरुआती तौर पर पायलट की गलती माना जा रहा है।पुणे जिला पुलिस के अनुसार, हेलीपैड पूरी तरह तैयार था और इसकी जानकारी हेलिकॉप्टर के क्रू मेंबर को दी गई थी, लेकिन उन्होंने निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब भुजबल महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या नुकसान की खबर नहीं है।घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि पार्किंग एरिया में खड़ी गाड़ियों के सामने ही हेलिकॉप्टर उतारा गया, जिससे धूल का बड़ा गुबार उठ गया और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अभी तक पायलट, क्रू या हेलिकॉप्टर ऑपरेट करने वाली कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।पुलिस ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भेजी जाएगी और पायलट के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। नियमों के मुताबिक, किसी भी विशेष क्षेत्र में लैंडिंग से पहले स्थानीय प्रशासन और लोक निर्माण विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाते हैं, जिनका पालन अनिवार्य होता है।गौरतलब है कि कुछ महीने पहले ही महाराष्ट्र में एक बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। इस ताजा घटना ने एक बार फिर विमानन सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आर्टेमिस II मिशन: की सुरक्षित वापसी ने रचा इतिहास

अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए NASA के आर्टेमिस II मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए हैं। 11 अप्रैल को सुबह 5:37 बजे (IST) उनका ओरियन कैप्सूल सैन डिएगो के तट के पास प्रशांत महासागर में सफल 'स्प्लैशडाउन' हुआ।2 अप्रैल को लॉन्च हुए इस मिशन ने इतिहास रच दिया, क्योंकि 1972 के बाद पहली बार इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा। 6 अप्रैल को अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी तय कर नया रिकॉर्ड भी बनाया। इस दौरान उन्होंने चंद्रमा के अंधेरे हिस्से की दुर्लभ तस्वीरें भी कैद कीं, जो वैज्ञानिकों के लिए बेहद अहम मानी जा रही हैं।आर्टेमिस II मिशन का मुख्य उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट के 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम' की जांच करना था, ताकि भविष्य में इंसानों के लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने की संभावनाओं को परखा जा सके। यह मिशन भले ही चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरा, लेकिन आने वाले समय में चंद्रमा पर मानव बस्तियां बसाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान ओरियन स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार

40,000 से 42,000 किमी प्रति घंटा रही, जो इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से लौटने वाले यानों से कहीं ज्यादा है। इतनी तेज रफ्तार, भारी दबाव और अत्यधिक गर्मी को सहने के लिए इस यान को विशेष रूप से मजबूत और उन्नत तकनीक से तैयार किया गया था।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

चार धाम यात्रा की धूम
चमोली में तैयारियां जोरों पर

चमोली में चार धाम यात्रा की तैयारियां तेज हैं। डीएम गौरव कुमार ने आवास, पानी, बिजली जैसी सुविधाओं की व्यवस्था की बात कही। पुष्कर सिंह धामी ने सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और 24×7 हेल्पलाइन पर जोर दिया। यात्रा 19–23 अप्रैल से शुरू होगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आगामी चार धाम यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि 23 अप्रैल से शुरू होने वाली इस महत्वपूर्ण यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने बताया कि यात्रा मार्गों और प्रमुख पड़ावों पर आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं का व्यापक प्रबंध किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष रूप से संवेदनशील और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की शीघ्र पहचान करने और वहां आवश्यक संसाधनों की तैनाती सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और स्थानीय प्रशासन के बीच तालमेल को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही 24×7 नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन सेवाओं को सक्रिय रखने पर भी बल दिया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।चार धाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ 19 अप्रैल को यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ होगा। इसके बाद केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को और बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा में शामिल होते हैं, जिससे राज्य के पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलता है। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया है। प्रशासन का कहना है कि सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएंगी और यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। कुल मिलाकर, राज्य सरकार और जिला प्रशासन इस प्रतिष्ठित धार्मिक यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं।

महिला कॉन्स्टेबल की गवाही से हिला सिस्टम 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एक महिला कॉन्स्टेबल की गवाही ने तमिलनाडु के नौ पुलिस वालों को मौत की सजा दिलवा दी। जब कोई भी पुलिस के खिलाफ बोलने से डर रहा था, तब उन्होंने अदालत से कहा कि सर, मैं आपको सब कुछ बताऊंगी। यह कहानी है तत्कालीन हेड कॉन्स्टेबल एस रेवती की बहादुरी और उनकी गवाही की। जिन्होंने धमकियों और सिस्टम के दबाव की परवाह किए बगैर तमिलनाडु के नौ पुलिसकर्मियों को सजाए मौत दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। यह भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में एक बेहद रेयर फैसला है क्योंकि एनसीआरबी के डाटा के मुताबिक 1999 से 2023 के बीच भारत में पुलिस कस्टडी में करीब 2250 लोगों की मौत हुई है। लेकिन इन सब एनसीआरबी के डाटा के मुताबिक 1999 से 2023 के बीच भारत में पुलिस कस्टडी में करीब 2250 लोगों की मौत हुई है। लेकिन इन सब में कन्विक्शन कितने हुए? सिर्फ तीन वो भी सिर्फ 2017 में। उसके बाद 2018 से 2023 तक छ साल लगातार कन्विक्शन की संख्या शून्य रही। तो इसका मतलब यह है कि भारत में कस्टडी में कोई मर जाए तो दोषी पुलिस वालों को सजा मिलना लगभग नामुमकिन है। लेकिन सत्तनकुलम केस में ऐसा नहीं हुआ।

ग्लोबल ऑयल सप्लाई पर ट्रंप का सख्त रुख, ईरान को साफ संदेश

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच तेल आपूर्ति को लेकर बयानबाजी फिर तेज हो गई है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि बहुत जल्द तेल की सप्लाई सामान्य होने लगेगी, चाहे इसमें ईरान का सहयोग मिले या नहीं। मौजूद जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने अपने सोशल प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि तेल का प्रवाह जल्द ही शुरू हो जाएगा और इसमें ईरान की भूमिका उनके लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता बनी हुई है, क्योंकि दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में इस क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के चलते तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। बताया जा रहा है कि ईरान की ओर से इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की संभावना जताई गई है, जिसे पश्चिमी देशों ने सिरे से खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान अस्थायी युद्धविराम के दौरान जहाजों से विशेष शुल्क वसूलने की योजना बना सकता है, हालांकि इस पर अभी आधिकारिक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि ऐसा होता है तो इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। बता दें कि ट्रंप ने अपने बयान में ईरान को लेकर अपनी नीति का भी बचाव किया और कहा कि मौजूदा स्थिति एक बड़ी रणनीतिक सफलता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके प्रयासों के चलते ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तेल आपूर्ति बहाल करने के लिए कौन सा रास्ता अपनाया जाएगा, चाहे वह कूटनीतिक बातचीत हो या अन्य विकल्प। क्षेत्र में स्थिरता पूरी तरह ईरान और समुद्री सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। बता दें कि 28 फरवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद हालात बिगड़े थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी प्रतिक्रिया दी। इस टकराव के चलते तेल कीमतों में तेजी आई और वैश्विक बाजार प्रभावित हुआ।

जेडी वेंस का 'मिशन इस्लामाबाद'
शहबाज़ शरीफ़ से करेंगे खास मुलाकात

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आज एक ईरानी समूह के साथ युद्धविराम पर महत्वपूर्ण वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंच गया है। इससे पहले, दोनों पक्षों के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौते की उम्मीदें अभी भी प्रबल हैं, ऐसे में शनिवार तड़के एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका के साथ वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान इस्लामाबाद में वार्ता करेंगे। उन्होंने अपने बयान में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों का जिक्र किया। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ कर रहे हैं और उनके साथ विदेश मंत्री अब्बास अरघची भी हैं। वार्ता इस्लामाबाद के सेरेन होटल में होगी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल का आगमन पर उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज़ सादिक, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर और गृह मंत्री मोहसिन नक़वी ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ के नेतृत्व में और विदेश मंत्री अब्बास अरघची के साथ इस्लामी गणराज्य ईरान का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद वार्ता में भाग लेने के लिए आज इस्लामाबाद पहुंचा।

शांति वार्ता से पहले ईरान की सख्त चेतावनी
दुनिया को चुकानी पड़ सकती है भारी कीमत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान मध्य पूर्व में युद्धविराम के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में असमर्थ रहा है, क्योंकि वह जलमार्ग में बिछाई गई सभी बारुदी सुरंगों का पता लगाने में असमर्थ है और उन्हें हटाने की क्षमता भी उसके पास नहीं है। यह घटनाक्रम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस चेतावनी के बाद सामने आया है कि अमेरिका ईरान के समर्थन के साथ या उसके बिना होर्मुज को खोल देगा। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या सहित युद्ध की शुरुआत के बाद, ईरान ने छोटी नावों का उपयोग करके होर्मुज में बारुदी सुरंगें बिछाई थीं। ड्रोन और मिसाइलों के खतरे के साथ-साथ, होर्मुज में बारुदी सुरंगें बिछाने से जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों की संख्या कम हो गई, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों के हवाले से एनवाईटी ने कहा कि ईरान ने बारुदी सुरंगें 'अव्यवस्थित' तरीके से बिछाईं और यह स्पष्ट नहीं है कि उसने उनके स्थान का रिकॉर्ड रखा था या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि बारुदी सुरंगों की स्थिति दर्ज भी की गई थी, तो वे बहकर या स्थानांतरित हो सकती थीं। अधिकारियों ने बताया कि ज़मीनी खदानों की तुलना में समुद्री खदानों को हटाना अधिक कठिन है और यहां तक कि अमेरिकी सेना के पास भी "मजबूत खदान हटाने की क्षमता" नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, "ईरान के पास भी खदानों को, यहां तक कि खुद बिछाई गई खदानों को भी, तुरंत हटाने की क्षमता नहीं है। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रज़ा अरेफ ने कहा कि यदि हम इस्लामाबाद में 'अमेरिका फर्स्ट' के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हैं, तो दोनों पक्षों और दुनिया के लिए लाभकारी समझौते की संभावना है। हालांकि, यदि हमारा सामना 'इजराइल फर्स्ट' के प्रतिनिधियों से होता है, तो कोई समझौता नहीं होगा; हम अनिवार्य रूप से पहले से भी अधिक आक्रामक रूप से अपनी रक्षा जारी रखेंगे, और दुनिया को अधिक भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

संपादक की कलम से

शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। तकनीकी प्रगति, वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के बढ़ते स्तर ने शिक्षा व्यवस्था के सामने कई नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। पहले जहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित था, वहीं आज यह व्यक्तित्व विकास, कौशल निर्माण और रोजगारपरकता से भी जुड़ गई है। ऐसे में आवश्यक हो गया है कि हम शिक्षा के बदलते आयामों को समझें और उसके अनुरूप सुधार करें। सबसे बड़ी चुनौती है—शिक्षा की गुणवत्ता। देश में विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन गुणवत्ता में समानता का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा का स्तर अभी भी असमान है। आधुनिक संसाधनों और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी कई क्षेत्रों में छात्रों के विकास में बाधा बन रही है। इस अंतर को पाटने के लिए ठोस नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। दूसरी महत्वपूर्ण चुनौती है—तकनीकी शिक्षा का समुचित उपयोग। ऑनलाइन शिक्षा, स्मार्ट क्लास और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सीखने के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके साथ ही डिजिटल विभाजन भी सामने आया है। जिन छात्रों के पास इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों की कमी है, वे इस दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि तकनीक का लाभ सभी तक समान रूप से पहुँचे।इसके अतिरिक्त, शिक्षा में रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली अभी भी रटने पर अधिक आधारित है, जिससे छात्रों की मौलिक सोच और नवाचार क्षमता प्रभावित होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनका समाधान निकालना होना चाहिए। रोजगार के दृष्टिकोण से भी शिक्षा प्रणाली को पुनः विचार करने की आवश्यकता है। आज डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ पा रहे हैं। इसका कारण है—कौशल और उद्योग की मांग के बीच असंतुलन। इसलिए शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और कौशल आधारित बनाने की जरूरत है, ताकि छात्र आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही, नैतिक शिक्षा का महत्व भी कम नहीं है। आधुनिकता की दौड़ में नैतिक मूल्यों का ह्रास चिंताजनक है। शिक्षा केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का भी माध्यम होनी चाहिए। ईमानदारी, सहानुभूति और जिम्मेदारी जैसे गुण समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं।अंततः, शिक्षा की इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकार या संस्थाओं के प्रयासों से संभव नहीं है। इसमें अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। यदि हम मिलकर शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक बनाएँ, तो यह न केवल व्यक्तिगत विकास बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राजनाथ सिंह का किसानों को भरोसा
बोले—मेरे अंदर का किसान जिंदा है

मध्य प्रदेश के रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव का उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसानों को धन और संसाधनों की कमी न होने का आश्वासन दिया; इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं के माध्यम से कृषि विकास को बढ़ावा देना है।

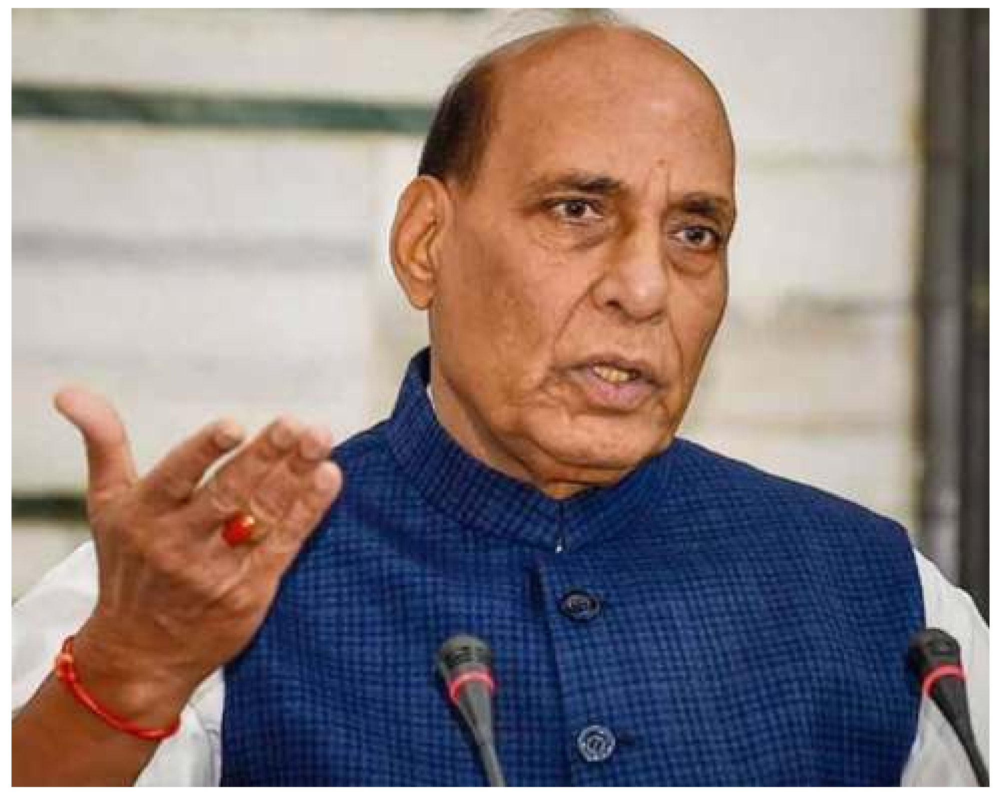

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य प्रदेश के रायसेन में 11 अप्रैल को तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसानों को धन और संसाधनों की कमी न होने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और शिवराज सिंह चौहान ने कृषि विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि गांवों और कृषि के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। राजनाथ ने कहा कि धन या संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। हमारी सरकार ने हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि प्रत्येक किसान को सहायता मिले। उन्होंने आगे कहा कि मैं कई वर्षों से सार्वजनिक जीवन में हूं, कृषि मंत्री सहित कई जिम्मेदारियां संभाली हैं। मेरे भीतर का किसान कभी नहीं गया। आज भी, रक्षा मंत्री के रूप में, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि किसानों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और मजबूत कृषि और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हमारा लक्ष्य एक गौरवशाली, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया है: भारत किसी को उकसाएगा नहीं, लेकिन उकसाए जाने पर उन्हें नहीं बख्शेगा। आज देश सुरक्षित है, फिर भी सच्चा विकास मजबूत कृषि और किसानों की आय में वृद्धि के बिना संभव नहीं है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने रायसेन में तीन दिवसीय 'उन्नत कृषि महोत्सव 2026: प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण' का आयोजन किया। इस आयोजन में हैंगर 1 और 2 के बीच 300 स्टॉल लगाए गए, जबकि हैंगर 3 उद्घाटन एवं सांस्कृतिक हॉल के रूप में कार्य कर रहा था। इस प्रदर्शनी में आधुनिक ट्रैक्टर, कृषि उपकरण, उन्नत बीज और उर्वरक प्रदर्शित किए गए हैं। जैविक खेती के लिए विशेष स्टॉल हैं और डेयरी, मुर्गी पालन और मत्स्य पालन पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। किसान निःशुल्क प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले सकते हैं, सरकारी योजनाओं के प्रत्यक्ष प्रदर्शन देख सकते हैं और कृषि स्टार्टअप्स से जुड़ सकते हैं। यह आयोजन कृषि वैज्ञानिकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे संवाद करने का मंच भी प्रदान करता है।

पंजाब को बड़ी सौगात! 155 लाख टन अनाज उठाने के लिए दौड़ेंगी स्पेशल ट्रेनें

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी के बीच शुक्रवार को दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। केंद्र सरकार पंजाब के गोदामों में जमा लगभग 155 लाख टन गेहूं और चावल को बाहर निकालने के लिए विशेष मालगाड़ियां चलाने पर सहमत हो गई है। इस फैसले से राज्य में रबी विपणन सत्र के दौरान भंडारण की गंभीर समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। मान ने दिल्ली में केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस फैसले से गोदामों में जगह बनाने और चालू सत्र के दौरान गेहूं की आसानी से खरीद सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब भंडारण जगह की भारी कमी का सामना कर रहा है क्योंकि इसके ज्यादातर छत वाले गोदाम पहले से ही भरे हुए हैं, जबकि मौजूदा रबी सत्र के दौरान लगभग 130-132 लाख टन गेहूं की खरीद की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य केंद्र से अनाज की आवाजाही में तेजी लाने का आग्रह कर रहा है, क्योंकि मौजूदा उठाव लगभग पांच लाख टन प्रति माह है, जो काफी नहीं है। उन्होंने मांग की कि इसे बढ़ाकर कम से कम 12 लाख टन हर महीने किया जाना चाहिए। मान ने ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ) के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपये का मुद्दा भी उठाया। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि इस मामले को सुलझाने के लिए जल्द ही सचिव स्तर की बैठक होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब से नकद ऋण पर केंद्र के मुकाबले ज्यादा ब्याज लिया जा रहा है और इसे एक जैसा करने की मांग की। इस अंतर की वजह से राज्य को नुकसान होता है। मुख्यमंत्री ने केंद्र से हाल ही में हुई ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान का आकलन करने और किसानों को मुआवजा देने के लिए एक टीम भेजने की भी मांग की। उन्होंने आढ़तियों के कमीशन का मुद्दा भी उठाया और उम्मीद जताई कि गेहूं और धान के लिए इसे लगभग 4.75 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया जाएगा। एक सरकारी बयानके अनुसार मान ने कहा कि केंद्र ने उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक जवाब दिया है और किसानों के हितों की रक्षा करने और राज्य में मंडियों को ठीक से चलाने के लिए ज़रूरी कार्रवाई का भरोसा दिया है।

संसद में सियासी सरप्राइज!
मोदी-राहुल की 'गुपचुप' बातचीत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बीच सौहार्दपूर्ण सौहार्द का एक दुर्लभ क्षण देखने को मिला, जब दोनों नेता महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने संसद के प्रेरणा स्थल पहुंचे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता के बीच संक्षिप्त और सहज बातचीत दिखाई दे रही है। वीडियो में दोनों नेता सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करते नजर आ रहे हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अर्जुन राम मेघवाल तथा राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश उनके बगल में खड़े हैं। हालांकि यह बातचीत संक्षिप्त थी, लेकिन इसने दोनों नेताओं के बीच दुर्लभ सौहार्द को प्रदर्शित किया, जो अधिकांश अवसरों पर एक-दूसरे पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। नेटिज़न्स ने यह भी गौर किया कि संसद परिसर में कार्यवाही शुरू होने से पहले दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई थी। ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन समानता, न्याय और शिक्षा के आदर्शों के लिए समर्पित था। X (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि फुले महिलाओं और हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने वाले अग्रणी व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती पर, मैं उस दूरदर्शी समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने अपना जीवन समानता, न्याय और शिक्षा के आदर्शों के लिए समर्पित कर दिया। वे महिलाओं और हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने वाले अग्रणी व्यक्ति भी थे। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष हम उनकी 200वीं जयंती मना रहे हैं। उनके विचार समाज की प्रगति के मार्ग पर सभी का मार्गदर्शन करते रहें।

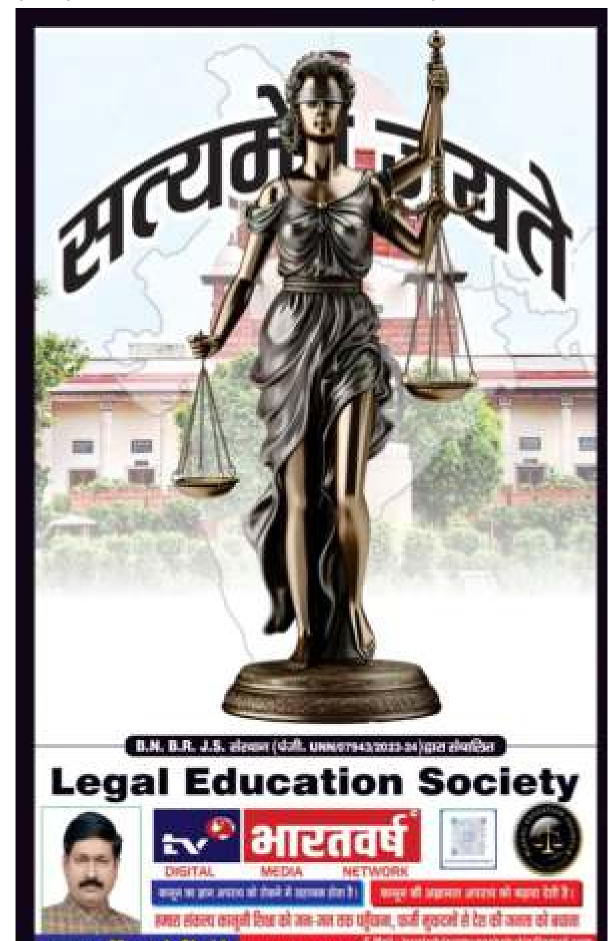

डिजिटल पेमेंट होगा और सुरक्षित

ऑनलाइन ठगी पर लगाम के लिए नए नियमों की तैयारी

डिजिटल युग में लेनदेन के बढ़ते चलन ने जहां आर्थिक गतिविधियों को तेज और सरल बनाया है, वहीं इसके साथ साइबर धोखाधड़ी के मामलों में भी चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव जारी किए हैं। इन प्रस्तावों पर आम नागरिकों से 8 मई तक राय और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं, जो इस पहल को सहभागी और जागरूकता-आधारित बनाते हैं। शिक्षा के दृष्टिकोण से यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि डिजिटल लेनदेन आज छात्रों, शिक्षकों और संस्थानों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में डिजिटल सुरक्षा और साइबर जागरूकता को शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में शामिल करना समय की आवश्यकता बन गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हाल के समय में फर्जी लिंक, नकली ग्राहक सेवा कॉल, फर्जी बैंक खाते और नई तकनीकों के माध्यम से ठगी के मामलों में तेजी आई है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि केवल तकनीकी सुविधा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके सुरक्षित उपयोग की जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। विशेष रूप से युवा वर्ग, जो तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है, उन्हें इन जोखिमों के प्रति शिक्षित करना जरूरी है।इसी खतरे को देखते हुए RBI ने पांच बड़े सुधारात्मक कदम सुझाए हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव 10 हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर थोड़ी समय-देरी लागू करने का है। इस प्रस्ताव के अनुसार, बड़ी राशि के ट्रांसफर में लगभग एक घंटे का समय रखा जा सकता है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। यह उपाय छात्रों और आम नागरिकों को यह सिखाता है कि सुरक्षा के लिए थोड़ी सावधानी और धैर्य आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नागरिकों और उच्च जोखिम वाले उपयोगकर्ताओं के लिए "विश्वसनीय व्यक्ति" की मंजूरी का विकल्प प्रस्तावित किया गया है। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए 50 हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर अतिरिक्त पुष्टि की आवश्यकता हो सकती है। यह पहल समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को दर्शाती है और छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ भी सिखाती है। एक अन्य महत्वपूर्ण सुझाव "इमरजेंसी बंद सुविधा" से जुड़ा है। इसके तहत ग्राहक किसी भी संदेह की स्थिति में एक ही बार में अपने सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों को अस्थायी रूप से बंद कर सकेगा। इसे पुनः सक्रिय करने के लिए सख्त पहचान प्रक्रिया अपनानी होगी। यह सुविधा उपयोगकर्ताओं को त्वरित सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सतर्क रहने की आदत भी विकसित करती है। इसके अलावा, जोखिम के आधार पर लेनदेन की सीमा तय करने और अधूरी जांच वाले खातों में वार्षिक जमा की सीमा निर्धारित करने का भी प्रस्ताव है। संदिग्ध लेनदेन को अस्थायी रूप से रोकने की व्यवस्था भी इसमें शामिल है। साथ ही, बैंकों को रियल टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश दिए जा सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक तकनीकों की मदद से धोखाधड़ी की पहचान तुरंत की जा सके। शैक्षणिक दृष्टि से, ये सभी कदम डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार और डिजिटल भुगतान के नियमों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे छात्र न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनेंगे, बल्कि एक जिम्मेदार डिजिटल नागरिक के रूप में भी विकसित होंगे। अंततः, RBI की यह पहल यह दर्शाती है कि डिजिटल प्रगति के साथ-साथ सुरक्षा को भी समान महत्व दिया जा रहा है। यदि इन सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है और शिक्षा के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता है, तो डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाया जा सकता है।

आयुष शेट्टी का कमाल वर्ल्ड नंबर 1 को हराकर फाइनल में एंट्री

भारत के आयुष शेट्टी ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जह बना ली है। ये उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है। 20 वर्षीय आयुष ने शनिवार को निंगबो में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापीस करते हुए 10-21, 21-19, 21-17 से एक यादगार जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत का 61 साल का इंतजार खत्म होने से महज एक जीत दूर है। भारत ने सिंगल में पिछले 61 साल से चैंपियनशिप नहीं जीती है। दिनेश खन्ना इस खिताब को जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 1965 में इस चैंपियनशिप में मेंस सिंगल्स कैटेगरी का गोल्ड जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में खिताब जीता था। अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैम्पियन आयुष का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन या दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के शि यू की से होगा। आयुष ने फाइनल तक के सफर में एक भी गेम नहीं गंवाया था। वितिदसर्न ने उन्हें आर्कटिक ओपन में पिछले साल सीधे गेम में हराया था। वितिदसर्न ने शुरुआत में 4-0 की बढत बना ली। ब्रेक के समय स्कोर 11-5 था और पहला गेम उन्होंने आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में आयुष ने दमदार वापसी की और कूदकर स्मैश लगाते हुए 3-1 की बढत बनाई। यह जल्दी ही 7-1 की हो गई चूंकि वितिदसर्न ने कई सहज गलतियां की। ब्रेक के समय स्कोर 11-4 था। आयुष ने बीच में कुछ गलतियां की जिससे वितिदसर्न ने 13-11 से वापसी की लेकिन जल्दी ही क्रॉसकोर्ट स्मैश से वापसी करते हुए स्कोर 16-11 कर लिया। बैकहैंड पर फ्लिक से आयुष ने छह अंक बनाये और दूसरा गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में उन्होंने 4-1 से शुरुआत की और वितिदसर्न को दबाव में ला दिया। उनकी बढत 17-10 की हो गई और आक्रामक स्ट्रोक्स से वह 19-13 से आगे हो गए। इसके बाद लगातार मैच प्वाइंट बनाकर उन्होंने जीत दर्ज की।

मथुरा त्रासदी के बाद देशभर में शोक की लहर

पंजाब किंग्स ने पहनी काली पट्टी

प्रभसिमरन सिंह का बयान

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम युवाओं के लिए बड़ा मौका

IPL में पंजाब किंग्स (PBKS) के युवा ओपनिंग बल्लेबाज़ प्रभसिमरन सिंह ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का समर्थन किया है। जहां कई सीनियर खिलाड़ी इस नियम की आलोचना कर चुके हैं, वहीं 25 वर्षीय प्रभसिमरन का मानना है कि यह नियम युवा क्रिकेटरों के लिए बड़े अवसर पैदा कर रहा है और इससे टी20 क्रिकेट और अधिक आक्रामक हो गया है। प्रभसिमरन के अनुसार, इस नियम के आने से अब टीमें बड़े स्कोर आसानी से बना पा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में 250 से ज्यादा रन बनना संभव और सामान्य होता जा रहा है, जो पहले के मुकाबले टी20 क्रिकेट को काफी बदल देता है। अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए प्रभसिमरन ने बताया कि उन्हें लंबे समय तक नियमित मौके नहीं मिले। उन्होंने कहा, "मुझे IPL में आए 8 साल हो गए हैं, लेकिन शुरुआती 4 साल मुझे ज्यादा मौके नहीं मिले। मैं बाहर बैठकर सोचता था कि टीम में जगह कैसे बनाऊं।" उनके मुताबिक, 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम ने ऐसे खिलाड़ियों के लिए रास्ते खोले हैं जो पहले सीमित अवसरों में खुद को साबित करने की कोशिश कर रहे थे।हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ लोग इस नियम को पसंद नहीं करते क्योंकि इससे खेल में जोखिम बढ़ गया है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि इससे बल्लेबाज़ी में गहराई आई है और टीमों को आक्रामक रणनीति अपनाने का मौका मिला है। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए प्रभसिमरन ने उन्हें बेहतरीन लीडर बताया। उन्होंने कहा कि अय्यर खिलाड़ियों को पूरा आत्मविश्वास और आज़ादी देते हैं। यहां तक कि खराब प्रदर्शन के बाद भी कप्तान खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि टीम प्रबंधन का स्पष्ट संदेश है कि पावरप्ले में आक्रामक खेल दिखाना जरूरी है। प्रभसिमरन के अनुसार, अब टी20 क्रिकेट में 170-180 रन का दौर खत्म हो चुका है और टीमों की नजरें लगातार 250+ स्कोर बनाने पर हैं।

मैक्स शर्जर की अनोखी वापसी

पियानो बना करियर बचाने का 'ट्रीटमेंट'

स्पोर्ट्स मेडिकल साइंस की दुनिया में अक्सर कहा जाता है कि जब डॉक्टर जवाब दे दें, तो खिलाड़ी का करियर खत्म माना जाता है। लेकिन 41 वर्षीय दिग्गज पिचर मैक्स शर्जर ने इस धारणा को चुनौती देते हुए एक अनोखी वापसी की कहानी लिखी है। दो साल तक दाएं हाथ के अंगूठे की गंभीर चोट और असहनीय दर्द से जूझने के बाद, उनका करियर लगभग समाप्ति की कगार पर पहुंच चुका था। अमेरिका के शीर्ष सर्जनों ने भी उनके मामले में सर्जरी को समाधान नहीं माना। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि पिछले सीजन के दौरान शर्जर ने अपने साथी खिलाड़ी क्रिस बासिट से यहां तक कह दिया था कि अगर प्रैक्टिस के दौरान दर्द बढ़ा, तो वह खेल छोड़ देंगे। इस मुश्किल दौर में उनकी जिंदगी ने एक अप्रत्याशित मोड़ लिया। टोरंटो में अपने अपार्टमेंट में बच्चों को पियानो सिखाने के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि पियानो की भारी कीज दबाते समय उनके अंगूठे में वही तनाव उत्पन्न हो रहा है, जिसकी उन्हें फिजियोथेरेपी से राहत नहीं मिल रही थी। यहीं से "पियानो रिहैब" की शुरुआत हुई। शर्जर ने यूट्यूब की मदद से डॉ. ड्रे और एमिनेम जैसे कलाकारों के रैप बीट्स पर पियानो बजाना सीखा। इसके बाद वे हर यात्रा पर अपना कीबोर्ड साथ ले जाने लगे और मैचों के बाद घंटों तक होटल के कमरे में अभ्यास करते रहे। धीरे-धीरे इस अभ्यास से उनके हाथों की मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ा और अंगूठे पर दबाव कम होने लगा। पियानो बजाने से उंगलियों की पकड़ और नियंत्रण में सुधार हुआ, जो बेसबॉल पिचिंग ग्रिप के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। शर्जर का मानना है कि पियानो बजाना हाथों के लिए एक तरह का वेट ट्रेनिंग है।

आईपीएल 2026 में अभिषेक शर्मा का तूफान

28 गेंदों में 74 रन

आईपीएल 2026 में शनिवार को खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। यह मुकाबला मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला गया, जहां अभिषेक ने तूफानी पारी खेलते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। अभिषेक शर्मा ने मात्र 28 गेंदों में 74 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। उनकी इस पारी ने शुरुआत से ही मैच का रुख बदल दिया और सनराइजर्स हैदराबाद को तेज गति से रन बनाने में मदद की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। यह लगातार तीसरा मौका है जब अभिषेक शर्मा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 से अधिक रन बनाए हैं। उनकी यह निरंतरता उन्हें इस मुकाबले में एक विशेष बल्लेबाज के रूप में स्थापित करती है। हालांकि, उनकी शानदार पारी का अंत पार्ट-टाइम स्पिनर शशांक सिंह ने किया, जिन्होंने उन्हें अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। पावरप्ले के दौरान अभिषेक ने विशेष रूप से तेज गेंदबाजों पर हमला बोला। उन्होंने अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और विजयकुमार वैशाक जैसे गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। पारी के पांचवें ओवर में उन्होंने विजयकुमार वैशाक को एक ही ओवर में चार छक्के जड़कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।उनकी पारी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि 8 में से 7 छक्के उन्होंने केवल पावरप्ले के दौरान लगाए। इस आक्रामक प्रदर्शन के साथ अभिषेक शर्मा आईपीएल इतिहास में पावरप्ले में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के साथ सनथ जयसूर्या, जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की बराबरी कर ली है। इस धमाकेदार पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अभिषेक शर्मा आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक बनते जा रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी ने न केवल टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, बल्कि विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण को भी पूरी तरह दबाव में ला दिया।

आईआरसीटीसी ने ठोका 10 लाख का जुर्माना!

वंदे भारत के खाने में निकला कीड़ा

IRCTC ने इस घटना के लिए यात्रियों से माफी मांगी और कहा कि इस शिकायत को बेहद गंभीरता से लिया गया है. जांच के बाद संबंधित फूड सप्लायर पर 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया. इसके अलावा, उस विक्रेता को अनुबंध समाप्त करने का नोटिस भी जारी किया गया है.

फूड सप्लायर पर 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया.

अहमदाबाद से मुंबई जा रही प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने यात्रियों को हैरान कर दिया और रेलवे की खानपान व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए. यात्रा के दौरान एक यात्री को परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने की शिकायत सामने आई, जिसके बाद पूरे कोच में हड़कंप मच गया. यह मामला 6 अप्रैल 2026 का बताया जा रहा है, जब मुंबई के एक बिजनेसमैन आदित्य डिवानिया इस ट्रेन से सफर कर रहे थे. उन्होंने अपने अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया. पोस्ट में उन्होंने कुछ तस्वीरें और वीडियो भी पोस्ट किए, जिनमें साफ तौर पर खाने में कीड़ा दिखाई दे रहा था. आदित्य डिवानिया ने अपने पोस्ट में बताया कि यह सिर्फ एक प्लेट तक सीमित मामला नहीं था. उनके अनुसार, उसी कोच में कम से कम दो यात्रियों को ऐसे ही अनुभव का सामना करना पड़ा. उन्होंने लिखा कि जैसे ही यह बात फैली, कोच में मौजूद बाकी यात्रियों ने तुरंत खाना-पीना बंद कर दिया.

यह स्थिति यात्रियों के लिए बेहद असहज और चिंताजनक थी. यह घटना सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. लोगों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और भारतीय ट्रेनों में मिलने वाले खाने की क्वालिटी और स्वच्छता पर सवाल उठाए. कई यूजर्स ने कहा कि जब प्रीमियम ट्रेन में ऐसा हो सकता है, तो बाकी ट्रेनों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है. आदित्य डिवानिया ने अपने पोस्ट में अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की. उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाना Food Safety and Standards Authority of India के मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है या नहीं.

चीन में फ्लैट, किराया बेंगलुरु से सस्ता

हैपिनेस इंडेक्स में भारत 116वें स्थान पर है, यानी खुशी के मामले में हम काफी पीछे हैं. लेकिन अगर जमीनी हकीकत देखें तो भारतीयों की टेंशन की असली वजह क्या है? अगर सर्वे हों तो महानगरों में घर ढूंढना किसी जंग से कम नहीं है. ये भी एक वजह हो सकती है भारतीयों के दुखी होने में. मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में महंगा किराया, मकान मालिक के सख्त नियम, और खराब वेंटिलेशन जैसी समस्याएं लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना रही हैं.

लोग बोले, ऑफिस का इतना प्रेशर

रात में सड़क पर ऑफिस का काम, वीडियो वायरल

आज के समय में काम का दबाव इतना बढ़ गया है कि लोग कहीं भी और कभी भी काम करने को मजबूर हो जाते हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान भी किया है और सोचने पर भी मजबूर कर दिया है. इस वायरल वीडियो में एक युवक रात के करीब 12:15 बजे अपनी बाइक पर बैठकर लैपटॉप पर काम करता नजर आ रहा है. जब पूरा शहर सो रहा था, उस समय यह शख्स सड़क पर अपनी मोटरसाइकिल पर बैठकर काम में व्यस्त दिखा. वीडियो में देख सकते हैं कि लैपटॉप उसकी बाइक के सामने रखा हुआ है

और वह पूरी तरह अपने काम में डूबा हुआ है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसके कैप्शन में लिखा है- रात के 12 बजे बाइक पर रोमांस नहीं, लैपटॉप के साथ फाइनेंस चल रहा है. यह लाइन सुनने में मजेदार जरूर लगती है.

अंग्रेजी पोस्ट पर घिर गए पाकिस्तानी पीएम

'सीज़फायर' पर ट्रोल होने लगे शहबाज

सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की एक पोस्ट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. यह मामला तब सामने आया, जब उनकी X (पूर्व ट्विटर) पोस्ट की एडिट हिस्ट्री में 'Draft' शब्द दिखाई दिया. इसके बाद यूजर्स ने इस पर सवाल उठाने शुरू कर दिए. दरअसल, यह पोस्ट उस समय शेयर की गई थी जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का सुझाव दिया था. इससे पहले शहबाज शरीफ ने भी एक पोस्ट के जरिए अपील की थी कि इस संघर्ष को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से खत्म किया जाए. अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा था कि

कुछ यूजर्स इसे तकनीकी गलती भी बता रहे हैं.

मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि इस प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया जाए. साथ ही, उन्होंने ईरान से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अस्थायी रूप से खोलने का भी अनुरोध किया, ताकि हालात सामान्य हो सकें. हालांकि, विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ यूजर्स ने पोस्ट की एडिट हिस्ट्री को खंगाला. वहां उन्हें पोस्ट का एक पुराना वर्जन मिला.

मधुबाला बायोपिक: सारा अर्जुन बन सकती हैं लीड रोल की सबसे मजबूत दावेदार

हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित और खूबसूरत अदाकाराओं में शुमार मधुबाला की बायोपिक को लेकर लंबे समय से चर्चा जारी है। अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी नई रिपोर्ट्स सामने आई हैं, जिनके मुताबिक फिल्म में मधुबाला की भूमिका के लिए युवा अभिनेत्री सारा अर्जुन का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी फिल्म को प्रसिद्ध फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस करेंगे, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी जसमीत के रीन संभालेंगी। भंसाली अपने भव्य सेट्स, शाही प्रस्तुति और भावनात्मक कहानी कहने के अंदाज के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में मधुबाला के जीवन पर आधारित यह फिल्म भी एक बड़े स्तर पर बनाई जाने वाली बायोपिक मानी जा रही है।फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसकी शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 1950 और 1960 के दशक के हिंदी सिनेमा के 'गोल्डन एरा' को विस्तार से दर्शाएगी। इसमें मधुबाला के फिल्मी करियर के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी, संघर्ष, रिश्ते और असमय हुई मृत्यु को भी संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, सारा अर्जुन इन दिनों अपनी हालिया फिल्म धुरंधर की सफलता के बाद चर्चा में हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी सफलता के बाद उनके करियर को एक नया मोड़ मिला है और अब उन्हें एक ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने का अवसर मिल सकता है। यदि यह कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह उनके करियर का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट साबित हो सकता है। मधुबाला की भूमिका निभाना आसान नहीं माना जा रहा है। इस किरदार के लिए सारा अर्जुन को विशेष तैयारी करनी होगी, जिसमें लुक टेस्ट, डायलॉग डिलीवरी, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज पर गहन काम शामिल होगा। लक्ष्य यह है कि वह मधुबाला की स्क्रीन प्रेजेंस, मासूमियत और अद्भुत ग्रेस को पर्दे पर जीवंत कर सकें।गौरतलब है कि इस भूमिका के लिए पहले भी कई बड़ी अभिनेत्रियों के नाम सामने आ चुके हैं। रिपोर्ट्स में कियारा आडवाणी का नाम चर्चा में रहा था, जबकि हाल ही में अनीत पड्डा को लेकर भी अटकलें लगाई गई थीं कि उन्हें इस किरदार के लिए चुना जा सकता है। लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार, सारा अर्जुन इस रेस में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरी हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है, क्योंकि यह सिर्फ एक बायोपिक नहीं बल्कि हिंदी सिनेमा के एक सुनहरे दौर की झलक पेश करने वाली परियोजना मानी जा रही है। अगर यह प्रोजेक्ट तय योजना के अनुसार आगे बढ़ता है, तो दर्शकों को बड़े पर्दे पर मधुबाला की जिंदगी और उनकी फिल्मों की दुनिया को बेहद भव्य और भावनात्मक अंदाज में देखने का अवसर मिलेगा। हालांकि, फिल्म से जुड़ी अंतिम कास्टिंग और अन्य आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार अभी भी किया जा रहा है।

लखनऊ में 58.27 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण

राजनाथ सिंह बोले—देश हर संकट से निपटने में सक्षम

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने 58.27 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि भारत हर संकट से निपटने में सक्षम है। ब्रजेश पाठक ने शहर में फ्लाईओवर, अंडरपास और सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति का वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहर को 58.27 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लक्ष्मण मंडपम सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया और शहर के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रहते हुए देश में किसी भी बड़े संकट को उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट का मजबूती से सामना किया है और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से निपटने की भी देश में पूरी क्षमता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, जैसे विश्व बैंक, भी भारत की संकट से निपटने की क्षमता को स्वीकार करती हैं। रक्षामंत्री ने वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि खाड़ी देशों में चल रहे हालात का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन भारत ने हर चुनौती का डटकर सामना किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश भविष्य में भी मजबूत नेतृत्व और योजनाओं के दम पर आगे बढ़ता रहेगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने इसे लखनऊवासियों के लिए सौभाग्य का दिन बताते हुए कहा कि शहर में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मल्टीलेवल पार्किंग और फ्लाईओवर निर्माण के साथ-साथ शहर में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। जहां फ्लाईओवर संभव नहीं है, वहां अंडरपास का निर्माण कराया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अवध चौराहे पर बने अंडरपास का उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा।इसके अलावा शहर के पार्कों में ओपन जिम और कम्युनिटी सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं और महिलाओं को विशेष लाभ मिल रहा है। इन सुविधाओं से न केवल स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सामाजिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान रक्षामंत्री ने डॉक्टरों को सम्मानित भी किया। साथ ही उन्होंने लक्ष्मण मंडपम गणेशगंज, सुदर्शनपुरी-ऐशबाग स्थित सामुदायिक केंद्र, देव वन नक्षत्र वाटिका, गोमतीनगर के विनीत खंड में ई-लाइब्रेरी और हुसैनाबाद चौक स्थित लखनऊ संस्कृति एवं कला संग्रहालय का बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुषमा खर्कवाल, संजय सेठ, नीरज बोरा, योगेश शुक्ला और ओपी श्रीवास्तव सहित कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।यह कार्यक्रम न केवल विकास योजनाओं के उद्घाटन का अवसर बना, बल्कि शहर के भविष्य के विकास की दिशा में सरकार की प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट करता नजर आया।

गौरी राजपूत बनीं मिस टीन यूपी-2026

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ की गौरी राजपूत ने मिस टीन यूपी-2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने गुरुवार शाम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्रैंड फिनाले में 22 फाइनलिस्टों को पीछे छोड़ मिस यूनिवर्स यूपी का ताज पहना। इस मौके पर गौरी ने दैनिक भास्कर से कहा- उन्होंने कोशिश करना नहीं छोड़ा। जब तक लक्ष्य न मिले तब तक कोशिश करते रहना चाहिए। लखनऊ की तनिष्का शर्मा ने 'मिस यूनिवर्स इंडिया उत्तर प्रदेश 2026' का खिताब जीता, जबकि 'मिसेज उत्तर प्रदेश' का खिताब गुरशरण कौर ने हासिल किया। इस मौके पर भास्कर रिपोर्टर ने तीनों विनर्स से बातचीत कर उनका सफर और इस ताज के लिए की गई मेहनत के बारे में बातचीत की। गौरी सिंह राजपूत ने 'मिस टीन उत्तर प्रदेश 2026' का खिताब अपने नाम किया। इस श्रेणी में 16 से 19 आयु वर्ग की किशोरियों ने हिस्सा लिया था। गौरी ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने वॉक, स्पीकिंग स्किल्स और कॉन्फिडेंस पर लगातार मेहनत की। पिछले दो साल से चल रही तैयारी को आखिरकार सही मंच मिला और उन्होंने जीत हासिल की। गौरी ने बताया कि उन्होंने लखनऊ की 'कैटवॉक एकेडमी' से ट्रेनिंग ली और अपने व्यक्तित्व पर लगातार काम किया। वह लखनऊ को 'नवाबों का शहर' मानती हैं, जहां की मुस्कुराती संस्कृति और चाय की परंपरा उन्हें खास लगती है। लड़कियों को प्रेरित करते हुए गौरी ने कहा कि भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय अपनी अलग पहचान बनाएं। अपनी काबिलियत को पहचानें और किसी भी परिस्थिति में अपने सपनों का पीछा करना न छोड़ें।

लखनऊ में स्मार्ट मीटर के बिल देखकर रोई महिला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। उपभोक्ता बिजली बिल जमा करने के लिए अपने-अपने पावर हाउस के अलावा 1912 मुख्यालय तक पहुंच रहे हैं, लेकिन यहां भी उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सर्वर डाउन होने के कारण कई लोग बिना बिल जमा किए वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि कुछ लोग घंटों लाइन में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।शुक्रवार को हालात का जायजा लेने पहुंचे भास्कर रिपोर्टर ने देखा कि बर्लिंगटन चौराहे स्थित 1912 मुख्यालय पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। कई उपभोक्ता काम छोड़कर बिल जमा करने आए थे, लेकिन सर्वर ठप होने से उनकी समस्या और बढ़ गई। लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल अचानक बढ़ गए हैं, जिससे वे आर्थिक संकट में आ गए हैं। बालू अड्डा की रहने वाली प्रीति कन्नौजिया ने बताया कि उन्होंने 1 अप्रैल को 1700 रुपये जमा किए थे, लेकिन अब उन्हें 4 हजार रुपये और जमा करने के लिए कहा जा रहा है। उनका कहना है कि उनसे एडवांस में पैसे जमा कराने की बात कही जा रही है, जबकि उनके पास इतनी रकम नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना जानकारी दिए उनके मोहल्ले में पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए, जिससे लोगों में नाराजगी है। एक अन्य उपभोक्ता राजू ने बताया कि पहले वाला मीटर सही तरीके से काम कर रहा था, लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारियों ने जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगा दिया। उनका कहना है कि छोटे बच्चों के साथ लाइन में खड़े रहना पड़ रहा है और वे चाहते हैं कि इस मीटर को हटाया जाए। पुराने

लखनऊ की रहने वाली आसिफा ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि उनके मीटर को गलत जानकारी देकर बदला गया। उन्हें बताया गया था कि यह रिचार्ज वाला मीटर नहीं है, लेकिन अब उन्हें अधिक बिल का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दो बार बिल जमा करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उनका बिल माइनस में पहुंच गया, फिर भी कनेक्शन काट दिया गया और मीटर यूनिट बढ़ती जा रही है। आसिफा ने बताया कि उनके पति दिव्यांग हैं और वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं। हर बार बिल जमा करने के लिए आने-जाने में भी खर्च हो रहा है, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

वजीरगंज में मकान की दूसरी मंजिल पर लगी आग दो कमरे जलकर खाक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के वजीरगंज थानाक्षेत्र में शनिवार यानी 11 अप्रैल को सुबह एक मकान में आग लग गई। आग दूसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। जिससे दो कमरों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। एफएसओ चौक पुष्पेंद्र कुमार यादव ने बताया फायर स्टेशन चौक को सुबह 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां और हजरतगंज फायर स्टेशन से एक गाड़ी मौके पर रवाना की गई। मौके पर पहुंची टीम ने देखा नबी उल्लाह रोड स्थित नई बस्ती रीवर बैंक कॉलोनी निवासी मोहम्मद शरीफ के घर की दूसरी मंजिल पर आग लगी है। आग कॉपी-किताब और जनरल स्टोर के सामान में तेजी से फैल रही थी। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर विभाग के अनुसार आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फायर टीम सूचना पर समय रहते पहुंच गई हालांकि सकरी गलियां होने की वजह से घटनास्थल पर पहुंचने में समय लग गया। कई पाइप जोड़कर राहत कार्य शुरू किया गया। इसके बाद 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पूरी तरह काबू पा लिया गया।

अवैध कट बंद करने पर सरोजनी नगर में प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में कानपुर रोड पर चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवैध कट बंद किए जाने के विरोध में प्रदर्शन और सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सरोजनी नगर थाने के उप निरीक्षक अवनीश वर्मा ने इस संबंध में तीन नामजद सहित करीब दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा के अनुसार, यह घटना 9 अप्रैल 2026 की है। यातायात पुलिस ने एक अभियान के तहत फर्रुखाबाद-चिल्लावां के पास स्थित अंग्रेजी मॉडल शॉप के सामने लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के डिवाइडर पर बने अवैध कट को क्रेन की मदद से बंद कर दिया था। इस कार्रवाई से नाराज स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों ने उसी दिन शाम करीब 6 बजे हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात पुलिस कर्मियों के सहयोग से लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं माने और नारेबाजी करते हुए मार्ग अवरुद्ध रखा। पुलिस ने बताया कि एमसी तिवारी, राकेश (किराना स्टोर संचालक) और बृजेंद्र शर्मा उर्फ पप्पू सहित 20-25 अन्य अज्ञात लोगों ने मिलकर सड़क जाम किया और आवागमन प्रभावित किया।

दुबई से काठमांडू जा रही फ्लाइट को लखनऊ में उतारा गया

खराब मौसम के कारण काठमांडू में नहीं मिली लैंडिंग अनुमति

लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। फ्लाई दुबई की फ्लाइट (एफजेड-1133) में 154 यात्री सवार थे। तकनीकी टीम ने विमान की जांच की। अब उसमें ईंधन भरा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 10 विमान को काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। फ्लाई दुबई के टिकट अन्य कंपनियों की अपेक्षा किफायती माने जाते हैं। 2008 में दुबई सरकार के सहयोग से यह कंपनी शुरू की गई थी। इसका मुख्यालय दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर है। फ्लाई दुबई मध्य पूर्व, एशिया, यूरोप, अफ्रीका के कई शहरों के लिए विमान सेवा चला रही है। भारत के कई शहरों से भी इसकी सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं। लखनऊ में

इससे पहले 31 मार्च को एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। फ्लाइट पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से दिल्ली जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट यूपी के अंबेडकरनगर के ऊपर थी, तभी पायलट के केबिन में धुआं महसूस हुआ। उस समय फ्लाइट 36 हजार फीट की ऊंचाई पर थी। पायलट ने धुआं महसूस होते ही लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे कॉल किया। मेडे कॉल के बाद यात्रियों को ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध करा दिए गए। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति लेकर फ्लाइट को शाम 5:17 बजे सुरक्षित लैंड कराया।

उन्नाव के कई दरोगाओं का गैर-जिला तबादला, पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में तैनात बड़ी संख्या में उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) का गैर-जिला तबादला कर दिया है। यह कदम प्रशासनिक दृष्टिकोण से उठाया गया है, जिसका उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक मजबूत, प्रभावी और कार्यकुशल बनाना बताया जा रहा है। इस व्यापक तबादला सूची के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। जारी आदेश के अनुसार, कई उपनिरीक्षकों को उन्नाव से अन्य जनपदों में स्थानांतरित किया गया है। इसमें प्रमोद कुमार यादव और शिवकुमार को सीतापुर भेजा गया है। वहीं प्रेमचंद, रामपाल सिंह, दिनेश कुमार, कुतुबुद्दीन, हृदय नारायण यादव, इशरत हुसैन और विनय कुमार यादव का तबादला हरदोई जनपद किया गया है। इसके अलावा सुरेश कुमार यादव, विनोद कुमार वर्मा, संत कुमार पाठक और विजयानंद को रायबरेली में नई तैनाती दी गई है। इसी क्रम में रविंद्र नारायण चौबे, बेचन यादव, महेंद्र सिंह, अशोक कुमार, अनिल कुमार सिंह और अजय कुमार सिंह को सीतापुर जनपद भेजा गया है। प्रशासन के अनुसार, इन तबादलों का उद्देश्य विभिन्न जिलों में अनुभवी अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है ताकि कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तरीके से संभाला जा सके। सूची में शामिल अन्य उपनिरीक्षकों में सूरज सिंह यादव, मोहम्मद असलम खां, नरेंद्र कुमार सिंह, राजेश कुमार, दिनेश मणि पांडे, कृष्ण कुमार पांडे, मोर मुकुट पांडे, दयाराम, योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रेम नारायण पांडे, जुल्फिकार अली, शिवनाथ सिंह और कृष्णकांत शुक्ला सहित कई अन्य अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्हें विभिन्न जनपदों में स्थानांतरित किया गया है। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार, सभी स्थानांतरित उपनिरीक्षकों को शीघ्र ही अपने नए तैनाती स्थलों के लिए रवाना होने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यभार ग्रहण करें और अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रशासन का कहना है कि यह तबादले नियमित प्रक्रिया का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य पुलिस विभाग में पारदर्शिता लाना और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के समय-समय पर होने वाले प्रशासनिक फेरबदल से पुलिसिंग व्यवस्था में नई ऊर्जा आती है और विभिन्न जनपदों में संतुलित कार्यबल उपलब्ध हो पाता है।इस व्यापक फेरबदल के बाद उन्नाव पुलिस महकमे में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। हालांकि प्रशासन इसे एक सामान्य प्रक्रिया बता रहा है, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर हुए इन तबादलों को पुलिस व्यवस्था को पुनर्गठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल कार्यकुशलता बढ़ने

नवाबगंज में 'स्कूल चलो अभियान' रैली, उन्नाव में शिक्षा जागरूकता पर जोर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के नवाबगंज विकासखंड में बेसिक शिक्षा विभाग ने 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। क्षेत्रीय विधायक बृजेश रावत और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, श्यामलाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य व प्रवक्ता, बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और पत्रकार भी मौजूद थे। रैली से पहले, ब्लॉक के कुंवर महेश सिंह सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जहाँ विद्यार्थियों ने शिक्षा के महत्व पर प्रस्तुतियाँ दीं। इसके बाद, खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर से जागरूकता रैली शुरू हुई। छात्र-छात्राएं हाथों में प्रेरक स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लेकर निकले, और उन्होंने लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान, नवाबगंज विकासखंड के 'निपुण विद्यालय' घोषित किए गए स्कूलों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विधायक बृजेश रावत, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य माधुरी और श्यामलाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनूप ने शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। विधायक बृजेश रावत ने अपने संबोधन में अभिभावकों से परिषदीय विद्यालयों में हो रहे सुधारों का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विद्यालयों के भौतिक और शैक्षणिक वातावरण में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही है। रैली के दौरान, लोगों को सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं जैसे प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता, पौष्टिक मध्याह्न भोजन, आधुनिक कक्षाएं, पुस्तकालय, कंप्यूटर और खेल सामग्री के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मीडिया प्रभारी मदन पांडे ने किया।

उन्नाव का मर्चेंट नेवी कर्मचारी ईरान से सुरक्षित लौटा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के एक मर्चेंट नेवी कर्मचारी ने ईरान में फंसे रहने का अनुभव साझा किया है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उनका जहाज बंदरगाह पर ही फंस गया था। इस दौरान उन्हें और उनके साथियों को मिसाइल हमलों की आवाजें सुनाई दीं, जिससे वे कई दिनों तक भय और अनिश्चितता में रहे। उन्नाव निवासी शिवेंद्र चौरसिया मर्चेंट नेवी में कार्यरत हैं। उनका जहाज हाल ही में ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर खड़ा था। 3 अप्रैल को क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद हालात गंभीर हो गए। शिवेंद्र के मुताबिक, जहाज के आसपास मिसाइलों के धमाके होने लगे, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। जहाज पर मौजूद सभी क्रू सदस्य दहशत में आ गए थे। शिवेंद्र ने बताया कि लगातार धमाकों की आवाज से स्थिति भयावह हो गई थी। बंदरगाह पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन खतरा बना रहा। क्रू सदस्यों ने खुद को सुरक्षित रखने के लिए जहाज पर ही सीमित कर लिया था। इस संकट के दौरान भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। लगातार संपर्क बनाए रखा गया और सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया शुरू की गई। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर भारत वापस लाया गया। शिवेंद्र चौरसिया और उनके परिवार ने सुरक्षित वापसी पर भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि समय पर मदद मिलने से स्थिति और बिगड़ने से बची। शिवेंद्र अब अपने घर लौट चुके हैं, लेकिन ईरान में देखे गए हालात उनके मन में अभी भी ताजा हैं।

उन्नाव में जनरेटर में फंसने से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में एक युवक की ट्रैक्टर से जुड़े जनरेटर के शाफ्ट में शर्ट फंसने से मौत हो गई। जनरेटर चलाते समय हुए इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। यह घटना दही थाना क्षेत्र के गौरा तारगांव गांव में हुई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय कैलाश पुत्र मेवा लाल के रूप में हुई है। कैलाश को गांव के एक परिचित ने वेल्डिंग के काम के लिए बुलाया था, जिसके लिए ट्रैक्टर से जनरेटर संचालित किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय कैलाश ने कान में ईयरफोन लगा रखे थे, जिससे वह आसपास की आवाजें नहीं सुन पा रहा था। वह ट्रैक्टर के पास पहुंचा और उसकी शर्ट के बटन खुले होने के कारण तेज हवा से शर्ट लहराते हुए जनरेटर के शाफ्ट में फंस गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे रोकने और आवाज देने की कोशिश की, लेकिन ईयरफोन के कारण कैलाश सुन नहीं सका। शर्ट शाफ्ट में फंसते ही कैलाश उसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा इतनी तेजी से हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही वह गंभीर रूप से चोटिल हो चुका था। घटना के तुरंत बाद, मौजूद लोगों ने घायल कैलाश को मोटरसाइकिल से अस्पताल पहुंचाया और भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे बचाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। ग्रामीणों ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सुरक्षा उपायों के प्रति सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया है।

गंगाघाट में गंगा जलस्तर बढ़ा, फसलें बर्बाद

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गंगाघाट क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से रेती में खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान हुआ है। अचानक बढ़े पानी और कटान के कारण खीरा, ककड़ी सहित अन्य फसलें बर्बाद हो गई हैं। प्रभावित किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। गंगाघाट की रेती में खेती करने वाले किसान कल्लू ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इससे उनकी फसलें प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा, "पूरा खेत पीला पड़ गया है। खीरा और ककड़ी की फसल खराब हो गई है। लगभग 10 से 30 हजार रुपये तक का नुकसान हुआ है।" किसानों के अनुसार, पानी भरने के बाद फसलें सड़ने लगती हैं और बाजार में बेचने लायक नहीं रहतीं। अब उन्हें दूसरे साधनों व संसाधनों से लखनऊ जाना पड़ेगा। जिससे उन्हें अधिक किराया देना पड़ेगा। बता दें कि गंगाघाट रेलवे स्टेशन से रोजाना लगभग दो हजार यात्रियों का आवागमन रहता है। ट्रेनों के निरस्त होने से रोजाना लगभग दो हजार से अधिक यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उनकी जेबों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। क्षेत्र की महिला किसान समीमा ने भी कटान और जलभराव की समस्या को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि गंगा का पानी बढ़ने से रेती कट रही है, जिससे खेती योग्य जमीन कम होती जा रही है। समीमा ने कहा, "बहुत नुकसान हो गया है, पूरी रेती ही कट गई है।" उन्होंने सरकार से नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजा देने की मांग की। एक अन्य किसान शत्रुघ्न ने जानकारी दी कि इस बार गंगा का पानी पिछले वर्षों की तुलना में काफी जल्दी आ गया, जिससे फसलें संभल नहीं पाईं। उन्होंने बताया कि उन्हें करीब दो लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है। शत्रुघ्न ने कहा कि सरकार किसानों से कई तरह के कर और जिम्मेदारियां लेती है, लेकिन नुकसान होने पर पर्याप्त मदद नहीं मिलती।

उन्नाव में 16 हेलीपैड निर्माण की बड़ी योजना, ब्लॉक स्तर पर आपात सेवाओं को मिलेगा नया आधार

उन्नाव में आपातकालीन सेवाओं और वीआईपी आवागमन को सुगम बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर हेलीपैड निर्माण की योजना पर काम चल रहा है। अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले में कुल 16 हेलीपैड बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। एडीएम के अनुसार, उन्नाव जिले में 16 ब्लॉक और 6 तहसीलें हैं। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर हेलीपैड निर्माण के लिए भूमि चिन्हित की गई है। सभी तहसीलों ने उपयुक्त स्थानों का चयन कर लिया है, और कुल 16 स्थलों पर जमीन चिन्हित हो चुकी है। हेलीपैड का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराया जाएगा। इसमें प्रांतीय खंड को 3 हेलीपैड और निर्माण खंड को 4 हेलीपैड बनाने की स्वीकृति मिली है। इस तरह, अब तक कुल 7 हेलीपैड के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि शेष 9 हेलीपैड के प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित हैं। उम्मीद है कि इनकी स्वीकृति इसी महीने या अगले महीने तक मिल जाएगी। मंजूरी मिलते ही इन हेलीपैड का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद जिले में आपातकालीन परिस्थितियों, प्राकृतिक आपदाओं और वीआईपी आगमन के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं, राहत एवं बचाव कार्यों और प्रशासनिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी 16 हेलीपैड का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि जिले को आधुनिक बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जा सके। अधिकारियों के अनुसार, यह योजना जिले के दूरदराज क्षेत्रों में भी त्वरित सहायता पहुंचाने में मदद करेगी।

चर्चित यूट्यूबर वेदप्रकाश शर्मा हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई — मुठभेड़ में दो आरोपी घायल

यूट्यूबर वेदप्रकाश शर्मा उर्फ सोनू की हत्या ने इलाके में सनसनी फैला दी थी।घटना के बाद से ही पुलिस पर आरोपियों की गिरफ्तारी का दबाव बना हुआ थाइस मामले में सोशल मीडिया पर भी लगातार चर्चा हो रही थी।अब मुठभेड़ में गिरफ्तारी के बाद केस के जल्द खुलासे की उम्मीद बढ़ गई है।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में चर्चित यूट्यूबर वेदप्रकाश शर्मा उर्फ सोनू हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (S O G) और कोतवाली नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो मुख्य आरोपियों को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्रवाई को मामले के खुलासे की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रुद्ध पाठक और वंश दीक्षित अलीगढ़ से सासनी की ओर आ रहे थे। उनकी लोकेशन मिलने के बाद पुलिस ने सासनी के शक्ति वन क्षेत्र के पास चेकिंग अभियान चलाया। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो दोनों आरोपियों ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लग गई।घायल होने के बाद दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से दो अवैध .315 बोर तमंचे, चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है।इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल एक अन्य आरोपी शुभम उर्फ माइटी को पहले ही सहपऊ पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाथरस पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था।फिलहाल घायल आरोपियों का इलाज जारी है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया जाएगा। इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस

चलती कार में लगी आग, हेल्थ अफसर की पत्नी की जिंदा जलकर मौत

बदायूं में चलती कार में आग लगने से हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जल गई। पति किसी तरह कार से बाहर निकल आया, लेकिन पिछली सीट पर लेटी पत्नी बाहर नहीं निकल सकी। लॉक कार में फंसी पत्नी आग की लपटों के बीच चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन उसकी कोई मदद नहीं कर सका और वह सबकी आंखों के सामने धू-धू कर जलती रही। हालांकि, गांववालों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक युवती की मौत हो चुकी थी। बुरी तरह झुलसे पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना शुक्रवार रात करीब 1 बजे उसहैत थाना क्षेत्र के रौता गांव के पास हुई। कार कम्युनिटी हेल्थ अफसर अर्पित भारद्वाज चला रहे थे, जबकि उनकी पत्नी प्रिया (25) पिछली सीट पर लेटी हुई थी। प्रिया का तीन दिन पहले पथरी का ऑपरेशन लखीमपुर के पलिया के एक अस्पताल में हुआ था। वहां से डिस्चार्ज होने के बाद वे लौट रहे थे, तभी रौता गांव के पास कार में आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

गौतम अदाणी ने परिवार के साथ किया श्रीराम जन्मभूमि मंदिर दर्शन

देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदाणी ने गुरुवार को अपने परिवार के साथ अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के दर्शन किए। यह धार्मिक और भावनात्मक अवसर हनुमान जयंती के पावन दिन पर आया। अदाणी परिवार मंदिर परिसर में लगभग 30 मिनट तक रुककर पूजा-अर्चना और दर्शन में सम्मिलित रहा, जिससे यह कार्यक्रम धार्मिक श्रद्धा और भावुकता से परिपूर्ण रहा।सूत्रों के अनुसार, अदाणी अपने परिवार के साथ सुबह अहमदाबाद से चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वहां से सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए रवाना हुए। मंदिर परिसर में उन्हें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उन्होंने अदाणी परिवार को मंदिर के इतिहास, निर्माण प्रक्रिया और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी।मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान अदाणी ने विधि-विधान के अनुसार आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के दर्शन का अवसर पाकर उन्हें और उनके परिवार को अत्यधिक खुशी और गर्व महसूस हुआ। अदाणी ने मंदिर को केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने प्रभु श्रीराम से सभी पर आशीर्वाद की प्रार्थना की। दर्शन के बाद अदाणी परिवार ने अयोध्या के निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने गुरुकुल के छात्रों और अध्यापकों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। गौतम अदाणी ने कहा कि गुरुकुल की शिक्षा और संस्कृति को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं को जागृत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चर्चित यूट्यूबर वेदप्रकाश शर्मा हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई मुठभेड़ में दो आरोपी घायल, अवैध हथियार और चोरी की बुलेट बरामद

हाथरस में चर्चित यूट्यूबर वेदप्रकाश शर्मा उर्फ सोनू हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसओजी टीम और कोतवाली नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी रुद्ध पाठक और वंश दीक्षित अलीगढ़ से सासनी की ओर आ रहे थे। पुलिस को उनकी लोकेशन की सूचना मिलने के बाद सासनी के शक्ति वन क्षेत्र के पास चेकिंग के दौरान उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे 315 बोर, चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त एक बिना नंबर की चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है। गौरतलब है कि इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल एक अन्य आरोपी शुभम उर्फ माइटी को पहले ही सहपऊ पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस अधीक्षक हाथरस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। फिलहाल घायल आरोपियों का उपचार कराया जा रहा है और उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई जारी है। हाथरस पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से हत्याकांड के खुलासे की दिशा में बड़ी प्रगति मानी जा रही है।